CMYK

रायगढ़,मंगलवार
06.03.2018
रंगपंचमी,चैत्र कृष्ण 5
भार. फाल्गुन 15
पृष्ठ 8, मूल्य 3

साप्ताहिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

Social Justice Union

Web: www.nyaysakshi.com

3 में देखें. रचनाकारों को जोखिम तो उठाना ..
6 में देखें ... मनोरंजन विशेष एवं फिल्मी ....

» वर्ष-2 » अंक - 9 »

अंतर्राष्ट्रीय खबरें

कर्नाटक, केरल ही नहीं पश्चिम बंगाल और उड़ीसा में भी लहराएंगे परचम

लखनऊ ,(आरएनएस)। पूर्वोत्तर राज्यों में विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के शानदार प्रदर्शन पर रविवार को उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ ने बीजेपी नेतृत्व को बधाई दी. इस दौरान बीजेपी के प्रदेश मुख्यालय पर सीएम का जोरदार स्वागत हुआ. सीएम योगी ने कहा कि पूर्वोत्तर के राज्यों में बीजेपी और गठबंधन को मिली सफलता के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह को बधाई. पूर्वोत्तर के कार्यकर्ता भी बधाई के पात्र हैं. सीएम ने कहा कि त्रिपुरा में वामपंथ के गढ़ को ध्वस्त कर केसरियामय करना एक सपना था.सीएम योगी ने कहा कि पहली बार पीएम ने पूर्वोत्तर के विकास के लिए मुहिम चलाई. सबका साथ, सबका विकास का मंत्र का असर दिखा. यह विकास और सुशासन की जीत है. यह जीत संगठनात्मक कुशलता का प्रतीक है. यहां जाति और धर्म के आधार को पीछे छोड़ बीजेपी को समर्थन मिला. इस जीत ने साफ कर दिया कि समाज को बांट कर कोई ज्यादा दिन सार्वजनिक जीवन में बना नहीं रह सकता. न्यू इंडिया का मंत्र जो पीएम ने दिया है, उसका असर दिख रहा है.सीएम ने कहा कि पूर्वोत्तर के लिए विशेष पैकेज से लेकर पीएम आवास योजना सहित कई लाभकारी योजनाओं, कानून का लाभ वहां के लोगों को मिला. पहली बार त्रिपुरा की जनता को बीजेपी पर विश्वास हुआ है, इसलिए पार्टी वहां दो तिहाई से सरकार बना रही है. उन्होंने कहा कि इस जीत का असर दूसरे राज्यों पर भी पड़ेगा. अब भारतीय जनता पार्टी कर्नाटक, केरल ही नहीं बल्कि पश्चिम बंगाल और उड़ीसा में भी जीत का परचम लहराएगी. प्रधानमंत्री का कुशल नेतृत्व और राष्ट्रीय अध्यक्ष का कुशल संगठनात्मक रणनीति हमें जीत दिलाएगी.

कार्ति चिदंबरम को मुंबई ले गई सीबीआई

नईदिल्ली (आरएनएस)। पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम के बेटे और आईएनएक्स मीडिया केस में आरोपी कार्ति चिदंबरम को सीबीआई रविवार सुबह मुंबई ले गई. मिली जानकारी के मुताबिक, यहां कार्ति का इंद्राणी मुखर्जी और पीटर मुखर्जी से आमना-सामना करवाकर फिर से पूछताछ की जाएगी. दरअसल इंद्राणी मुखर्जी ने आरोप लगाया था कि उनकी मीडिया कंपनी में विदेशी निवेश के लिए क्लीयरेंस (स्न्ढ्ढक्च) को लेकर वे अपनी पति पीटर मुखर्जी के साथ दिल्ली के एक पांच सितारा होटल में कार्ति चिदंबरम से मिली थीं, जहां कार्ति ने कथित रूप से 10 लाख अमेरिकी डॉलर की मांग की थी. सीबीआई अधिकारियों ने बताया कि इंद्राणी ने मजिस्ट्रेट के समक्ष भी यह बयान दोहराया है. ऐसे में सीबीआई अब पीटर और इंद्राणी के सामने कार्ति से इन सवालों के जवाब तलब करेगी.सीबीआई की टीम ने कार्ति से शनिवार को भी करीब 7 घंटे तक पूछताछ की थी. सूत्रों के मुताबिक, सीबीआई टीम ने कार्ति को उनके खिलाफ मिले सभी सबूत दिखाए और उनसे इस पर जवाब मांगा. सीबीआई अफसरों ने कार्ति को एफआईपीबी क्लीयरेंस से जुड़े दस्तावेज भी दिखाए. इसके अलावा उनकी कंपनी चैस मैनेजमेंट लिमिटेड के सिलसिले में भी उनसे पूछताछ की गई. बता दें कि गुरुवार को सीबीआई ने पटियाला हाउस कोर्ट में कहा था कि कार्ति पूछताछ में सहयोग नहीं कर रहे हैं. इसके बाद कोर्ट ने कार्ति को बड़ा झटका देते हुए उन्हें 6 मार्च तक के लिए सीबीआई हिरासत में भेज दिया था. उधर सीबीआई ने 14 दिन की रिमांड मांगी थी, लेकिन कोर्ट ने फ़िलहाल इसे ज़रूरी नहीं समझा. सीबीआई के अलावा ईडी के वकील ने भी शिकायत की थी कि कार्ति चिदंबरम जांच में बिल्कुल सहयोग नहीं कर रहे हैं. वकील ने दलील दी कि कार्ति को रिहा किए जाने पर जांच प्रक्रिया पर असर पड़ सकता है. इसके बाद सीबीआई ने कोर्ट के सामने कुछ दस्तावेज भी रखे, जिसके आधार पर बड़ी साजिश की आशंका जाहिर की गई. गौरतलब है कि यह मामला आईएनएक्स मीडिया में विदेशी शेयर पूंजी के निवेश को मंजूरी में गड़बड़ी से जुड़ा है.

पूर्वोत्तर की जीत के बाद आज भागवत से मिलेंगे शाह

नई दिल्ली (आरएनएस)। पूर्वोत्तर के तीन राज्यों त्रिपुरा, नागालैंड और मेघालय में बढ़िया प्रदर्शन करने के बाद आज बीजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह संघ प्रमुख मोहन भागवत से मुलाक़ात करने वाले हैं. बताया जा रहा है कि इस मुलाक़ात में शाह पार्टी का रिपोर्ट कार्ड पेश करेंगे. उधर पूर्वोत्तर में जीत के बाद मुंबई में भी बीजेपी कार्यकर्ताओं ने विजय जुलूस निकालने वाले हैं.गौरतलब है कि दोनों नेता भाजपा की भविष्य की रणनीतियों पर भी चर्चा करेंगे. उम्मीद जताई जा रही है कि इस मुलाकात में अमित शाह पार्टी संगठन में कुछ बदलावों को लेकर विचार-विमर्श कर सकते हैं. एतिहासिक जीत के बाद शाह ने कहा कि तीनों राज्यों में जीत, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों की जीत है.उन्होंने आगे कहा बीजेपी कार्यकर्ताओं के लिए यह खुशी का दिन है.

नॉर्थ कोरिया पर हमले के लिए अमेरिका ने बनाया मास्टरप्लान

वॉशिंगटन (आरएनएस)। नॉर्थ कोरिया के परमाणु और मिसाइल कार्यक्रमों पर अंकुश लगाने के लिए अमेरिका कूटनीतिक प्रयास कर रहा है। इस बीच, खबर है कि पिछले हफ्ते अमेरिकी फौज ने एक गुप्त सैन्य अभ्यास किया है। इसके जरिए यह परखने की कोशिश की गई कि अगर कोरियाई प्रायद्वीप में जंग छिड़ी तो अमेरिकी सैन्य टुकड़ियों को कैसे रवाना किया जाएगा और हमला किस तरह होगा। बताया जा रहा है कि कूटनीतिक प्रयास नाकाम रहने की स्थिति में ट्रंप प्रशासन ने नॉर्थ कोरिया को तबाह करने का मास्टरप्लान तैयार कर लिया है। युद्धाभ्यास के दौरान इस बात पर फोकस किया गया कि अमेरिकी कार्रवाई के समय नॉर्थ कोरिया की सेना से होने वाले नुकसान से कैसे बचा जाएगा। इनमें से एक था कोरियाई प्रायद्वीप से रोज घायल सैनिकों को निकालने की पेंटागन की सीमित क्षमता। यह अमेरिका के लिए बड़ी समस्या बन सकती है। दरअसल, आशंका इस बात की है कि अगर नॉर्थ कोरिया ने रासायनिक हथियारों से अमेरिकी ऐक्शन का जवाब दिया तो परिस्थितियां उलट सकती हैं। न्यू यॉर्क टाइम्स में प्रकाशित एक रिपोर्ट के मुताबिक इस अभ्यास की जानकारी रखने वाले 6 से ज्यादा सैन्य और रक्षा विभाग के अधिकारियों ने यह आशंका जताई। अधिकारियों के मुताबिक नॉर्थ कोरिया में उतरने वाली अमेरिकी फौज की मदद करने के लिए मध्य पूर्व और अफ्रीका से प्रशांत क्षेत्र की

तरफ बड़ी संख्या में टोही विमानों को भेजे जाने की तैयारी है। प्लान तैयार करनेवालों ने यह भी परखा है कि दक्षिण कोरिया और जापान में तैनात अमेरिकी सैनिक कैसे इस जंग में शामिल हो सकते हैं। हालांकि इन तैयारियों के बावजूद पेंटागन के अधिकारियों का कहना है कि हमने जंग छेड़ने का फैसला नहीं किया है। गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने साफ कहा है कि नॉर्थ कोरिया को अपनी परमाणु महत्वाकांक्षाओं पर लगाम लगानी होगी। डिफेंस सेक्रटरी जिम मैटिस ने कहा है कि नॉर्थ कोरिया के साथ जंग हुई तो यह काफी विनाशकारी होगा। उन्होंने और जॉइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ के चेयरमैन जनरल जोसफ डनफोर्ड ने प्योंगयांग के परमाणु कार्यक्रम के मसले को सुलझाने के लिए फिलहाल कूटनीतिक तरीकों को इस्तेमाल करने की बात कही है। हवाई में हुए इस अभ्यास में शामिल कमांडरों ने बताया है कि युद्ध के शुरुआती दिनों में ही कम से कम 10 हजार अमेरिकी घायल हो सकते हैं। जनरलों ने आशंका जताई है कि जंग के समय हजारों की संख्या में आम नागरिकों की जान जा सकती है। जनरल मिली ने कहा कि अभ्यास के दौरान इस बात का अंदाजा लगाया गया कि युद्ध में बड़ी संख्या में लोगों की जान जाएगी। उन्होंने कहा कि तबाही का आलम कुछ ऐसा होगा कि पहले किसी भी जीवित सैनिक को अनुभव नहीं हुआ होगा।

आतंकवाद से लड़ाई में पाकिस्तान का बड़ा योगदान

पेइचिंग, (आरएनएस)। चीन ने एक बार फिर पाकिस्तान के प्रति अपनी रहमदिली दिखाई है। चीन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने आधिकारिक बयान में रहा कि पाकिस्तान ने

आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में महान योगदान दिया है। रेडियो पाकिस्तान की रिपोर्ट के अनुसार, चीन के विदेश मंत्री के प्रवक्ता लू कांग ने बुधवार को कहा कि इस्लामाबाद ने ग्राउंड ऑपरेशन और टेरर फंडिंग के खिलाफ लड़ाई लड़ी है और सबको इस प्रयास की सराहना करनी चाहिए। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए लू ने कहा, पाकिस्तान ने टेरर फंडिंग को रोकने और आतंकियों को मदद पहुंचाने वालों के खिलाफ कड़े ऐक्शन लिए हैं। आतंकवाद के खिलाफ पाकिस्तान की प्रतिबद्धता की तारीफ सबको करनी चाहिए। चीन ने यह भी कहा कि हम ऐसी उम्मीद करते हैं कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय आतंक के खिलाफ पाकिस्तान के कड़े रुख को निष्पक्ष होकर देखेगा। चीन के अधिकारी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह भी कहा, अंतरराष्ट्रीय समुदाय पाकिस्तान की तरफ पूर्वाग्रहों से भरकर अंगुली उठाते रहे हैं। हमारी अपेक्षा है कि आतंकी संगठनों के खिलाफ पाकिस्तान के कड़े रुख को लेकर सभी देश निष्पक्ष और प्रमाणिक तर्कों के आधार पर सोचें। इसके साथ ही चीन ने यह भी कहा कि चीन-पाकिस्तान इकनॉमिक कॉरिडोर के जरिए दोनों देश सहयोग और परस्पर मित्रतता के संबंधों को और आगे ले जाएंगे।

ईसा मसीह से ताल्लुक रखता है महात्मा गांधी का पत्र, अब होगा नीलाम

वाशिंगटन, (आरएनएस)। महात्मा गांधी ने अपने जिस पत्र में ईसा मसीह की मौजूदगी की प्रकृति पर चर्चा की थी, उसे नीलामी के लिये रखा गया है और इसे कोई भी 50,000 डॉलर की राशि देकर खरीद सकता है. पत्र पर छह अप्रैल, 1926 की तिथि अंकित है और गांधी ने इसे भारत में अपने साबरमती आश्रम से लिखा था. हल्की स्याही में टाइप किया गया और गहरे रंग की स्याही से हस्ताक्षर किया यह पत्र बीते कई दशक से संग्रहित एक निजी संग्रह का हिस्सा था और अब पेनसिलवेनिया स्थित राब कलेक्शन इसकी नीलामी करने जा रहा है. अमेरिका के मिल्टन न्यूबेरी फ्रैंट्ज में ईसाई धर्मगुरू को लिखे पत्र में गांधी ने लिखा, ''ईशु मानवता के सबसे महान गुरुओं में से एक थे.'राब कलेक्शन के प्रधान नाथन राब ने इस पत्र को शांति की दिशा में धर्मों की दुनिया के लिये गांधी का दृष्टिकोण बताया. उन्होंने कहा, ''ईशू में उनका विश्वास मानवता के एक गुरु के तौर पर था, जो उनके समकक्ष व्यक्तियों के साथ समानता तलाशने का उनका एक प्रयास दर्शाता है.''

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सहयोगी होप हिक्स देंगी इस्तीफा

वॉशिंगटन (आरएनएस)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की करीबी सहयोगी होप हिक्स ने व्हाइट हाउस संचार निदेशक के पद से इस्तीफा देने का निर्णय किया है. वह पिछले तीन सालों में ट्रंप के लिए विभिन्न क्षेत्रों में काम कर चुकी हैं. वह ट्रंप के प्रचार अभियान की प्रवक्ता थीं और ट्रंप के राष्ट्रपति पद का कार्यभार संभालने बाद उनकी रणनीतिक संचार की निदेशक भी रह चुकीं हैं. व्हाइट हाउस ने उनके इस्तीफा देने की सही तारीख की जानकारी नहीं दी है. हालांकि, उन्होंने कहा है कि उनका जाना तय है, लेकिन यह आने वाले कुछ सप्ताहों में होगा. होप ने हाउस इंटेलिजेंस कमेटी के समक्ष पेश होने के एक दिन बाद इस्तीफा देने की बात कही.

भारत-अमेरिका आतंकवाद विरोधी अभियान में सहयोग का भविष्य उज्जवल

वाशिंगटन,(आरएनएस)। ट्रंप प्रशासन ने आज भारत को आतंकवाद विरोधी अभियान में एक बेहद मूल्यवान और करीबी सहयोगी बताते हुए कहा कि इस क्षेत्र में दोनों देशों के द्विपक्षीय सहयोग का भविष्य बेहद उज्जवल है.अमेरिकी आतंकवाद विरोधी समन्वयक, नेथन सेल्स ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच बैठकों का श्रेय ट्रंप कार्यकाल को दिया, जो कि दोनों देशों के बीच मजबूत संबंधों का कारण है. आईएसआईएस को मात देने के लिए कानून प्रवर्तन के प्रयासों पर आयोजित सम्मेलन के समापन के दौरान टेलीकॉन्फरेंस में सेल्स ने कहा, आतंकवाद को मात देने की दिशा में भारत, अमेरिका का बेहद महत्वपूर्ण, बेहद मूल्यवान और बेहद करीबी सहयोगी है. उन्होंने कहा, इस

प्रशासन के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच कई लाभकारी बैठकें हुई और उन बैठकों के परिणामस्वरूप अमेरिकी सरकार और भारत सरकार के बीच एक मजबूत साझेदारी कायम हुई. सेल्स ने कहा कि अमेरिका में ट्रंप प्रशासन ने भारत के समक्ष पेश होने वाले आतंकवादी खतरों को श्रेणियों में बांटा और उनकी घोषणा की. अमेरिका ने वर्ष 2016 में भारत के साथ परिचित एवं संदिग्ध आतंकवादियों से जुड़ी जानकारी साझा करने का एक समझौता किया था. सेल्स ने कहा, मुझे लगता है कि आतंकवाद के खिलाफ अमेरिका-भारत के द्विपक्षीय सहयोग का भविष्य बेहद उज्जवल है.

ट्रूडो के दावे के बाद कनाडा की विपक्षी पार्टी आई भारत के समर्थन में

टोरंटो ,(आरएनएस)। कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो के दिल्ली दौरे के दौरान डिनर पार्टी में खालिस्तानी आतंकी जसपाल अटवाल को न्यौता देने के मामले में कनाडा के राजनीति में भूचाल आ गया है। ऐसे में वहां की

विपक्षी पार्टी ने भारत की एकता का समर्थन करने और खालिस्तानी अलगवाद की निंदा करने का प्रस्ताव पेश किया है। ट्रूडो के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने आरोप लगाया कि ट्रूडो की भारत यात्रा को विवादों में डालने के लिए भारत के किसी तत्व ने अटवाल को न्यौता दिया था। इसके बाद मंगलवार को कनाडा की संसद में यह मामला एक प्रमुख मुद्दा में बन गया। जहां भारत ने इन आरोपों को अस्वीकार्य और निराधार बताया है। विपक्षी कॉन्जर्वेटिव पार्टी ने ट्रूडो से भारत के खंडन का जवाब देने के लिए कहा है। ट्रूडो ने अपने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार द्वारा भारत पर लगाए गए आरोपों का बचाव किया और कहा, जब हमारे उच्च राजनयिक और सुरक्षा अधिकारी कनाडा के लोगों से कुछ कहते हैं तो इसका मतलब है कि वह जानते हैं कि यही सच है। कनाडा की विपक्षी पार्टी के नेता एंड्रयू शीर ने भारत पर लगे आरोपों को विचित्र बताते हुए ट्रूडो से पूछा, क्या प्रधानमंत्री अपनी षड़यंत्र की थ्योरी के पक्ष में कोई सबूत पेश करेंगे? विपक्षी पार्टी द्वारा संसद में पेश किए गए प्रस्ताव में कहा.. यह सदन (अ) कनाडाई सिख और भारतीय मूल के कनाडाई लागों का देश के महत्व में दिए गए योगदान का सम्मान करते हैं। (ब) किसी भी प्रकार के आतंक, चाहे वह खालिस्तानी चरमपंथ ही क्यों न हो और ऐसे किसी भी व्यक्ति की निंदा करते हैं, जो भारत में अलगाव की बात कर खालिस्तान का समर्थन करता है।

राजस्थान में वसुंधरा सरकार को धराशायी करने के लिए पायलट ने बनाया प्लान

जयपुर ,(आरएनएस)। राजस्थान में पिछले महीने हुए लोकसभा उपचुनाव में जीत के गदगद कांग्रेस वहां इस साल के अंत में होने वाले बड़े इम्तिहान की तैयारियों में जोर शोर से जुट गई है.

पार्टी यहां आगामी विधानसभा चुनाव में अपनी हालिया सफलता को भुनाने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ रही. राजस्थान कांग्रेस के अध्यक्ष सचिन पायलट ने विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी का रोडमैप पहले ही बना रखा. कांग्रेस यहां जमीनी स्तर पर लोगों से संपर्क बढ़ाने की तैयारी में है. करीब 9800 ग्राम पंचायतों वाले राजस्थान में कांग्रेस विधानसभा चुनाव से पहले हर एक में एक बैठक करेगी.राहुल गांधी ने 2018 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों का जायजा लेने के लिए 22 फरवरी को सचिन पायलट, राज्य के दो बार मुख्यमंत्री रह चुके अशोक गहलोत और दूसरे वरिष्ठ नेताओं को नई दिल्ली बुलाया था. सूत्रों के मुताबिक, राहुल गांधी के आवास पर हुई इस बैठक में यह तय किया गया कि पार्टी फिलहाल राज्य में कोई सीएम उम्मीदवार घोषित नहीं करेगी.राजस्थान में कांग्रेस के कुछ नेता चाहते हैं कि सचिन पायलट को सीएम पद का उम्मीदवारबनाकर विधानसभा चुनाव में उतरा जाए, जबकि दूसरा धड़ा अशोक गहलोत को सीएम उम्मीदवार बनाए जाने के पक्ष में है. ऐसे में राहुल गांधी ने राज्य में किसी तरह की खेमेबाज़ी से बचने के लिए बिना किसी सीएम चेहरे के ही विधानसभा में उतरने का फैसला किया.राजस्थान कांग्रेस के अंदर जारी इस खेमेबाज़ी की अफवाहों को लेकर पायलट ने इसे बीजेपी का महज दुष्प्रचार करार दिया. पायलट ने कहा, अगर कांग्रेस में इस तरह की कोई खेमेबाज़ी होती तो हम पिछले चार वर्षो से दौरान उपचुनावों में इतना बेहतरीन प्रदर्शन नहीं कर पाते. कांग्रेस पार्टी पूरी तरह एकजटु थी, है और आगे भी एकजुट रहेगी. बीजेपी को शायद यह बात पच नहीं रही.

बंगाली वोट गए बीजेपी के पाले में, आदिवासियों तक भी बनाई पहुंच

अगरतला (आरएनएस)। असम में बीजेपी के आधार को बढ़ाने के लिए पीएम नरेंद्र मोदी ने 2016 में बांग्लादेशी घुसपैठियों को देश से बाहर निकालने का नारा दिया था। उनका यह नारा बीजेपी के पक्ष में गया और पार्टी ने पहली बार असम में अपने दम पर सरकार बनाई। दो साल बीते और बीजेपी ने वही फॉर्म्युला त्रिपुरा में आजमाया और नतीजा भी असम जैसी बंपर जीत के तौर पर देखने को मिला। इस राज्य में भी अवैध बांग्लादेशियों की बड़ी तादाद है, ऐसे में बीजेपी का यह नारा यहां के बांग्लाभाषी लोगों को लुभाने वाला था। आखिर बंगाली बहुल त्रिपुरा ने बीजेपी के इस नारे पर सकारात्मक रुख क्यों अपनाया? इसका जवाब स्पष्ट है। केंद्र सरकार ने 1955 के सिटिजनशिप ऐक्ट में धर्म के आधार पर संशोधन करने की बात कही ताकि अवैध घुसपैठिये कहलाने वाले इन लोगों को भारत की नागरिकता मिल सके। बीजेपी का यह प्रयास बहुसंख्यक समुदाय को लुभाने वाला था, जिसकी काट लेफ्ट की सरकार नहीं तलाश सकी। बांग्लादेश की सीमा से सटे त्रिपुरा के बहुसंख्यक समुदाय ने बीजेपी के इन नारों को हाथोंहाथ लिया, जहां पूर्वी बंगाल यानी बांग्लादेश से आने वाले प्रवासियों में बड़ी संख्या हिंदुओं की है।

1947 में देश के विभाजन और फिर 1971 के युद्ध के दौरान हिंदू बंगाली शरणार्थियों की बड़ी आबादी त्रिपुरा आकर बस गई थी। इसके चलते यहां के मूल आदिवासी लोग अल्पसंख्यक हो गए हैं। 2011 की जनगणना के आंकड़ों के मुताबिक सूबे की आबादी में 30 फीसदी आदिवासी समुदाय के लोग हैं, जबकि 66 फीसदी लोग गैर-आदिवासी बंगाली हिंदू हैं। बीजेपी यह जानती थी कि त्रिपुरा में आदिवासियों के लिए आरक्षित 20 सीटों पर कब्जा जमाए बगैर लेफ्ट को यहां से उखाड़ना मुश्किल होगा। ऐसे में बीजेपी ने पीपल्स फ्रंट ऑफ त्रिपुरा के साथ गठबंधन किया, जो अलग आदिवासी राज्य की मांग करता रहा है। इस तरह बीजेपी ने बंगाली हिंदुओं समेत आदिवासियों को भी साथ जोड़ने का काम किया।

तत्काल आवश्यकता है

न्यायसाक्षी समाचार-पत्र रायगढ़ एवं जशपुर जिले हेतु रिपोर्टर/संवाददाता चाहिए तत्काल संपर्क करें...

न्यायसाक्षी समाचार-पत्र
श्रीराम कॉलोनी,स्टेडियम के पीछे, कैरियर स्कूल के पास, रायगढ़ छ.ग. मो. नं. 9039961090

ऑफसेट प्रिंटिंग - न्यूज पेपर प्रिंटिंग

वेस्ट जर्मनी की ऑफसेट मशीन *हेडलबर्ग* से 4 कलर की सभी तरह की प्रिंटिग होती है। प्रिंटिंग जॉब हेतु सम्पर्क करें....

न्यायसाक्षी प्रिंटर्स एण्ड प्रेस
श्रीराम कॉलोनी, स्टेडियम के पीछे, कैरियर स्कूल के पास, रायगढ़ छ.ग. मो. नं. 9589876400

CMYK